**माननीय संसद सदस्य, श्री श्रीरंग आप्पा बारणे द्वारा संसद में उनके संसदीय कामकाज एवं उनके अनुभवों पर आधारित पुस्तक "मी अनुभवलेली संसद" के विमोचन के लिए 3 जनवरी 2019 के सायं 4.30 बजे कांस्टीटयूशन क्लब, नई दिल्ली में आयोजित समारोह में माननीय अध्यक्ष का भाषण ।**

———

1. मेरे लिए यह हर्ष का विषय है कि माननीय संसद सदस्य, श्री श्रीरंग आप्पा बारणे द्वारा संसद में उनके संसदीय कामकाज एवं उनके अनुभवों पर आधारित पुस्तक **"मी अनुभवलेली संसद" का विमोचन करने** का अवसर मिला है।

2. हम सभी जानते हैं कि श्री श्रीरंग आप्पा बारणे महाराष्ट्र के मावळ संसदीय निर्वाचन क्षेत्र से 16वीं लोक सभा में शिव सेना के टिकट पर चुनकर आए हैं।

3. उनका कार्य क्षेत्र काफी बड़ा है एवं दो जिलों पुणे और रायगढ़ में फैला है एवं उन्होंने अपनी ओर से विकास के प्रयासों में कोई कमी नहीं छोड़ी है। लोक सभा में भी उन्होंने निरंतर अपने संसदीय क्षेत्र से जुड़े मसलों को उठाया है।

4. श्री श्रीरंग आप्पा बारणे जी की संसद में औसत उपस्थिति 94 प्रतिशत रही है, जो उनके संसदीय सरोकारों को दर्शाता है। जितनी जिम्मेदारी से उन्होंने अपने संसदीय क्षेत्र एवं अन्य जनहित के मसलों को उठाया है, वह प्रशंसनीय है। मराठा आरक्षण से लेकर, रेल टिकटों की कालाबाजारी एवं पिंपरी चिंचवाड़ पुणे में आईआईएम की स्थापना, पुणे में रेल की बेहतर सुविधा दिए जाने, पुणे–मुंबई महामार्ग पर डॉक्टरों की व्यवस्था, धारावी झोपड़पट्टी के विकास की योजना सहित कई महत्वपूर्ण राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों पर उन्होंने सरकार एवं सदन का ध्यान आकृष्ट किया है। उन्होंने विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर लगभग 1050 प्रश्न (तारांकित एवं अतारांकित मिलाकर) पूछे हैं एवं एक जागरूक सांसद होने का प्रमाण दिया है। उन्होंने बजट, धन्यवाद प्रस्ताव एवं सभा में होने वाली विभिन्न चर्चाओं में भी हिस्सा लिया है।

5. श्री आप्पा बारणे जी के राजनीतिक जीवन की शुरूआत सन् 1997 में हुई जब वे पहली बार पिंपरी चिंचवाड़ नगर निगम में कारपोरेटर के पद पर निर्वाचित होकर आए। बाद में वे पिंपरी चिंचवाड नगर निगम में सभापति एवं नेता, विपक्ष का पद भी संभाला। वे शिवसेना प्रमुख उद्धव

ठाकरे के सहयोगी रहे एवं आदरणीय बालासाहेब ठाकरे के जीवन मूल्यों पर चलने वाले संघर्षशील व्यक्ति हैं।

6. श्री आप्पा बारणे महत्वाकांक्षी हैं एवं महानगरों की तरह अपने नागरिकों के लिए दिल्ली मेट्रो जैसी परिवहन व्यवस्था चलवाना चाहते हैं। वे मुंबई पुणे राजमार्ग पर विश्वस्तरीय स्वास्थ्य सुविधाओं की व्यवस्था करना चाहते हैं। वे चाहते हैं कि उनका संसदीय क्षेत्र मावळ देशवासियों के लिए आदर्श बने। इसके लिए वह काम करना चाहते हैं। उनकी कर्मठता का अभिनंदन है। किसान, राजनेता और सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में उन्हें गरीबों, किसानों और वंचित लोगों की समस्याओं और उनसे जुड़े मुद्दों की गहरी समझ है और उन्होंने इन मुद्दों को सभा में बहुत सशक्त और प्रभावपूर्ण ढंग से उठाया है।

7. मुझे पीठासीन अधिकारी के रूप में उनके व्यक्त विचारों को सुनने एवं व्यक्तिगत रूप से भी कई बार मिलने का सौभाग्य मिला है। उनके भाषण तथ्यपरक, सहज एवं सरल होते हैं।

8. पाठकों को इस पुस्तक में उनके द्वारा पिछले साढ़े चार साल के दौरान कराए गए कार्यों का ब्यौरा मिलेगा जिनसे उनके संसदीय क्षेत्र के लोगों को उनका मूल्यांकन करने में मदद मिलेगी।

9. पिछले साढ़े चार साल की अवधि में पीठासीन अधिकारी के रूप में मुझे युवा सांसदों से निरंतर संवाद करने का अवसर मिला है। सबके मन में नए सम्पन्न समर्थ भारत के निर्माण की आकांक्षा है एवं देश के सभी क्षेत्रों के विकास की वे चाहत रखते हैं। नवीन लक्ष्य, नवीन विचार, नवीन ऊर्जा से वे ओत–प्रोत हैं। पार्टी लाइन की सीमाओं से परे जाकर वे राष्ट्र–निर्माण के वृहत् लक्ष्य को अपना उद्देश्य मानते हैं। उन्हीं में से एक हैं हमारे श्री आप्पा बारणे जी।

10. एक जीवन्त और सशक्त लोकतंत्र में जनता को अपने जनप्रतिनिधियों के कार्यकलापों को जानने का अधिकार है बल्कि एक सजग जनप्रतिनिधि का यह कर्त्तव्य भी है कि वह अपने मतदाताओं से भी उनके सरोकारों से संबंधित मुद्दों पर निरंतर सूचना और संवाद कायम रखे।

11. मैं भी प्रति वर्ष अपने संसदीय क्षेत्र में किए गए कार्यों का ब्यौरा पुस्तक रूप में प्रकाशित करती हूं। हमें जनता को साथ लेकर, उनके हितों को सर्वोपरि मानकर ही लोकतंत्र के पथ पर आगे बढ़ना है।

12. मैं इस पुस्तक के प्रकाशन की पहल करने के लिए एवं जनसेवा हेतु श्रीरंग आप्पा बारणे द्वारा कराए गए जनहित के कार्यों की सराहना

करती हूं। इन्हीं शब्दों के साथ, मुझे इस पुस्तक **"मी अनुभवलेली संसद"** का विमोचन करते हुए अत्यंत प्रसन्नता हो रही है और आशा है कि यह पुस्तक अपने उद्देश्यों की पूर्ति में सफल सिद्ध होगी।

धन्यवाद।

———————